www.jagran.com

दैनिक जागरण

जोश

आगे बढ़ने का

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

हमेशा स्मार्ट प्रयास से ही मिलती है सफलता

प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछले कई वर्षों से शामिल हो रहा हूं। बार-बार विफल होने की वजह समझ नहीं पा रहा हूं कि क्या करूं। कृपया इस बारे में मार्गदर्शन करें।

विनोद कुमार, बिहार

काउंसलर

अशोक सिंह
counselor@nda.jagran.com

प्रयास करना और स्मार्ट प्रयास करने में ज्यादा अंतर नहीं होता, लेकिन दोनों के नतीजों में जमीन-आसमान का फर्क बाद में सामने आता है। सबसे पहली बात तो यही कि अपनी शैक्षिक योग्यता और क्षमता के आधार पर कुछ गिनी-चुनी प्रतियोगी परीक्षाओं पर ही आपको ध्यान केंद्रित करना चाहिए। परीक्षा के सिलेबस और पैटर्न को समझने के बाद तैयारी शुरू करनी चाहिए। अपनी कमजोरियों का सही आकलन करते हुए पहले उसे सुधारने पर समय लगाना चाहिए। परीक्षा का माध्यम उसी भाषा को चुनना चाहिए, जिस पर आपकी पकड़ मजबूत हो। समय रहते टाइम टेबल बनाकर नियमित अध्ययन करने की आदत डाल लेनी चाहिए। मुख्य बिंदुओं की पुनरावृत्ति समय-समय पर करते रहना चाहिए, ताकि भूलने की नौबत नहीं आए। टाइम मैनेजमेंट के लिए माक टेस्ट का अभ्यास काफी कुछ सिखाता है। करेंट अफेयर्स के लिए नियमित कोई राष्ट्रीय अखबार पढ़ना फायदेमंद रहता है, जो टापिक मुश्किल लगे, उसके लिए मित्रों या अध्यापक से मदद लेते रहना चाहिए।

कास्ट एंड वर्क एकाउंटेंसी का क्या महत्व है? इसके बाद किस तरह के जाब्स मिल सकते हैं?

मीनाक्षी, मध्य प्रदेश

किसी भी उत्पादन इकाई या कमर्शियल संगठन में ऐसे एक्सपर्ट्स का काम काफी महत्वपूर्ण होता है। इनका काम तैयार किए जाने वाले उत्पादों में प्रयुक्त संसाधनों का सटीक और सही इस्तेमाल करने में सहायता करना और उनका वास्तविक मूल्य निर्धारण करना है। दूसरे शब्दों में, कंपनी के सीमित संसाधनों का कुशल उपयोग और बर्बादी को रोकने में इनकी अहम भूमिका होती है। इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एंड वर्क एकाउंटेंसी आफ इंडिया देश का इकलौता संस्थान है, जो यह कोर्स करवाता है। इनके लिए सरकारी क्षेत्र के अलावा प्राइवेट कंपनियों में भी अवसर होते हैं। यूपीएससी द्वारा आयोजित इंडियन कास्ट एकाउंट सर्विस के लिए भी यह प्रयास कर सकते हैं।

कारपोरेट लायर का काम किस तरह का होता है? ये सामान्य वकीलों से अलग क्यों होते हैं?

राजेंद्र सिंह, करनाल, हरियाणा

इनकी नियुक्ति कंपनियों द्वारा की जाती है। इनका मुख्य दायित्व कंपनी के मैनेजमेंट को कारपोरेट ला से संबंधित कानूनों और नियमों से आगाह करते हुए इनके कार्यान्वयन का दायित्व संभालने से जुड़ा होता है। इस बारे में सरकार के नए संशोधनों को लागू करना भी इनके कार्य क्षेत्र में आता है। कारपोरेट क्राइम से कंपनी को बचाने, सौदेबाजी में कंपनी के हितों की रक्षा करना जैसे काम भी इनकी जिम्मेदारी होते हैं। बताने की जरूरत नहीं कि इनके पैकेज भी अत्यंत आकर्षक होते हैं।

फैशन डिजाइनिंग के कौन-कौन से कोर्स किए जा सकते हैं?

निधि चौहान, गाजियाबाद, उ.प्र.

देश की सरकारी क्षेत्र की संस्था नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलाजी को ऐसे कोर्स करवाने वाले शीर्ष ट्रेनिंग संस्थान के नाम से जाना जाता है। इसके विभिन्न केंद्रों पर संचालित कोर्सेज में अखिल भारतीय चयन परीक्षा के आधार पर एडमिशन दिए जाते हैं। यहां से बीएससी इन फैशन टेक्नोलाजी, बैचलर इन अपेरल प्रोडक्शन, बैचलर इन फैशन मैनेजमेंट, बैचलर इन फैशन मार्केटिंग, बैचलर इन फैशन अपेरल मर्चेंडाइजिंग जैसे कोर्स किए जा सकते हैं।

इस पेज के बारे में अपनी राय व सुझाव भेजें- feature@jagran.com

पैकेजिंग इंडस्ट्री

उपहारों को दें आकर्षक लुक

दीपावली जैसा त्योहार आते ही पैकेजिंग का आकर्षण देखने लायक होता है। गिफ्ट से लेकर खाने-पीने की चीजें या घरेलू सामानों की पैकेजिंग हमें खूब लुभाती हैं। खाद्य उत्पादों, स्वास्थ्य सेवाओं या सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़ी कंपनियों के उत्पादों की बिक्री का सीधा कनेक्शन आजकल उनकी पैकेजिंग से है। इससे सभी कंपनियों का इस पर काफी जोर है। कैसे आप भी इस बढ़ती इंडस्ट्री में अपना करियर संवार सकते हैं, बता रहे हैं **धीरेंद्र पाठक**...

फोटो : फ्रीपिक

जो दिखता है वह बिकता है, यह कहावत तो आपने भी सुनी होगी। आपके घरों में आने वाले सामान की पैकेजिंग को देखकर यह अंदाजा लगा भी सकते हैं। बाजारों में भी आपको तमाम उत्पादों की ऐसी पैकेजिंग दिख जाएंगी, जो तुरंत आपका ध्यान अपनी तरफ खींचती हैं, जैसे कि खाद्य उत्पादों की पैकेजिंग, कास्मेटिक उत्पादों की पैकेजिंग या फिर दवाओं की पैकेजिंग। इसमें कोई दोराय नहीं कि अच्छी पैकेजिंग से किसी भी उत्पाद की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। अब तो स्मार्ट पैकेजिंग भी होने लगी है। इस तरह की पैकेजिंग में लगे क्यूआर कोड और सेंसर उत्पाद के बारे में रियल टाइम अपडेट देते हैं। आज की पैकेजिंग में ग्राहकों की सेहत के साथ-साथ पर्यावरण का भी खयाल रखा जा रहा है। इसके लिए प्लास्टिक या कांच की जगह अब रिसाइकलिंग वाले पैकेजिंग मैटीरियल इस्तेमाल होने लगे हैं। कुल मिलाकर, आज की पैकेजिंग में डिजाइन और कलर पर ध्यान देने के अलावा तकनीकों की भी खूब मदद ली जा रही है, ताकि कोई भी उत्पाद बनने से लेकर ग्राहकों तक वह सुरक्षित पहुंच सके। चूंकि अच्छी पैकेजिंग का सीधा संबंध उत्पादों की बिक्री से भी है। यही वजह है कि कमोबेश सभी बिजनेस कंपनियां अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर काफी ध्यान दे रही हैं। फिर चाहे वह प्लास्टिक पैकेजिंग हो या लकड़ी, मेटल, कांच या फिर कागज की। पैकेजिंग में लगातार इनोवेशन होने से इस सेक्टर में युवाओं के लिए विभिन्न रूपों में जाब के अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा मार्केट: आज भारत पैकेजिंग के मामले में विश्व में तीसरे नंबर पर है। फिक्की की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-2025 के अंत तक भारत का पैकेजिंग उद्योग 200 बिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है।

नौकरी के अवसर: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पैकेजिंग (आइआइपी) जैसे संस्थानों से पैकेजिंग में समुचित कोर्स करके आप किसी भी एफएमसीजी, फार्मा या बिजनेस कंपनी में करियर बना सकते हैं। पैकेजिंग प्रोफेशनल्स की जरूरत आज लगभग सभी मल्टीनेशनल कंपनियों को भी है। यह कोर्स करके आप पैकेजिंग मैनेजर, मैनेजर क्वालिटी कंट्रोल एंड पैकेजिंग, मैनेजर आरएंडडी, मैनेजर प्रोडक्शन एंड पैकेजिंग जैसे पदों पर नौकरी पा सकते हैं। इसके अलावा, आनलाइन सेवा देने वाली कंपनियों या ई-शापिंग कंपनियों में भी नौकरी के अवसर पा सकते हैं। पैकेजिंग की क्वालिटी और आरएंडडी से जुड़ी कंपनियों में भी ऐसे प्रोफेशनल्स के लिए जाब के अवसर हैं। विदेश में संचालित कंपनियों को भी अपने उत्पादों की पैकेजिंग के लिए ऐसे कुशल प्रोफेशनल्स चाहिए।

कोर्स एवं योग्यता: भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय पैकेजिंग संस्थान (www.iip-in.com) के विभिन्न सेंटर्स पर पैकेजिंग से संबंधित कोर्सेज संचालित हो रहे हैं, जैसे कि पीजी डिप्लोमा इन पैकेजिंग टेक्नोलाजी, बीएस/एमएस पैकेजिंग, मैटीरियल साइंस, फूड टेक्नोलाजी, एमबीए-सप्लाईचेन, लाजिस्टिक्स, रिटेल। इसके साथ ही यूआइ/यूएक्स, ग्राफिक डिजाइन और एआइ आधारित सर्टिफिकेशन भी इस क्षेत्र में करियर बनाने में बहुत काम आ सकता है। यह भी सुझाव है कि इस फील्ड में आने के इच्छुक युवा सबसे पहले इस फील्ड को समझें। यूट्यूब/वेबिनार से अपडेट रहें। एआइ, डिजाइन और सस्टेनिबिलिटी सीखें। कोर्स के बाद पैकेजिंग कंपनियों में इंटर्नशिप करें। अपना पोर्टफोलियो बनाएं। लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्म पर अपने प्रोजेक्ट शेयर करें और नेटवर्किंग करें। साइंस ग्रेजुएट या इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के युवा यह कोर्स कर सकते हैं।

आकर्षक पैकेज: पैकेजिंग प्रोफेशनल्स को इन दिनों पांच लाख रुपये से लेकर 35 लाख रुपये तक के वार्षिक पैकेज मिल रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अच्छे संस्थानों से पैकेजिंग का कोर्स करने वालों को कैंपस से ही देशी-विदेशी कंपनियां अपने यहां नियुक्त कर लेती हैं।

जाब के साथ भविष्य को बेहतर बनाने का मौका

प्रो. डा. तनवीर आलम
एडिशनल डायरेक्टर, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पैकेजिंग

आज पैकेजिंग सिर्फ कवरिंग नहीं, बल्कि ब्रांड कम्युनिकेशन, उपभोक्ता अनुभव और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का अहम हिस्सा बन चुकी है। ई-कामर्स में बूम आने से अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीसो या जेप्टो जैसे प्लेटफार्म्स पर हर दिन लाखों डिलीवरी के साथ हर पैकेज एक ब्रांड स्टेटमेंट बन चुका है। फूड डिलीवरी और एफएमसीजी के विस्तार के साथ ही स्वीगी, जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी ब्रांड्स को भी हाइजीनिक, कस्टमाइज्ड और टिकाऊ पैकेजिंग की आवश्यकता पड़ रही है। इंटरनेशनल शिपमेंट्स के लिए अब इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स वाली पैकेजिंग अनिवार्य है, खासकर फार्मा, आटो, टेक्सटाइल और फूड सेक्टर में। आप भी यहां पैकेजिंग डिजाइनर, मैटीरियल साइंटिस्ट, लाजिस्टिक्स स्पेशलिस्ट, क्वालिटी कंट्रोल एक्सपर्ट, सस्टेनेबिलिटी एनालिस्ट या ब्रांड पैकेजिंग मैनेजर के रूप में एक अच्छा करियर बना सकते हैं। कुल मिलाकर, यह फील्ड केवल जाब नहीं देती, बल्कि भविष्य को बेहतर बनाने का मौका भी देती है।

स्कालरशिप एलर्ट

एनआइएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप-2025

यह फेलोशिप बेहतरीन अनुवादकों और स्कालर्स को गैर-साहित्यिक कार्यों का भारतीय भाषाओं से अंग्रेजी में अनुवाद करने में मदद करती है।

योग्यता: भारतीय नागरिक या भारतीय मूल के व्यक्ति, जो अंग्रेजी और चुनिंदा भारतीय भाषा दोनों में दक्ष हों, आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को भारतीय भाषा में लिखी किसी महत्वपूर्ण गैर-साहित्यिक रचना का अनुवाद करने का प्रस्ताव देना होगा। उन्हें पहले के अनुवाद कार्य, शोध या संबंधित शैक्षणिक/व्यावसायिक अनुभव का प्रमाण देना होगा।

सहायता: छह महीने के लिए छह लाख रुपये की फेलोशिप राशि दी जाएगी।

अंतिम तिथि: 31 दिसंबर, 2025

आवेदन कैसे करें: आनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

www.b4s.in/dj/NIFF1

एलआइसी गोल्डन जुबली स्कालरशिप 2025-26

उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के स्कूली छात्रों के लिए यह स्कालरशिप है।

सहायता: इसके लिए 10वीं, 12वीं या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त करने वाले छात्र आवेदन के पात्र हैं। आवेदक को सरकारी मान्यताप्राप्त कालेज/संस्थान में 12वीं कक्षा, स्नातक के प्रथम वर्ष, व्यावसायिक पाठ्यक्रम/डिप्लोमा/आइटीआइ या इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना अनिवार्य है। आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय साढ़े चार लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सहायता: प्रति वर्ष 40 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

अंतिम तिथि: 06 अक्टूबर, 2025

www.b4s.in/dj/LICG1

दून डिफेंस ड्रीमर के 710 छात्र सफल

देहरादून स्थित दून डिफेंस ड्रीमर (डीडीडी) के 710 से अधिक छात्र इस बार के एनडीए/एनए (2) लिखित परीक्षा में सफल हुए हैं। इससे पहले संस्थान का सर्वोच्च रिकार्ड 535 चयनित छात्रों का था, जिसे तोड़ते हुए इस बार संस्थान ने एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। संस्थान के निदेशक हरिओम चौधरी का कहना है कि यह सफलता अनुशासित तैयारी, साप्ताहिक माक टेस्ट और एसएसबी फोकस्ड ट्रेनिंग का परिणाम है। हमने शुरू से ही छात्रों को केवल लिखित तक सीमित न रखकर नेतृत्व, आत्मविश्वास और आफिसर-लाइक-क्वालिटीज पर केंद्रित ग्रूमिंग दी, जिसका असर आज परिणामों में स्पष्ट दिख रहा है। सफल छात्र-छात्राओं ने संस्थान की कठोर दिनचर्या और मार्गदर्शन को अपनी सफलता की कुंजी बताया।